पाठ 7. प्राणी वही प्राणी है

कविता का उद्देश्य

प्रत्येक मनुष्य का दूसरे मनुष्य के प्रति कुछ कर्तव्य होता है। यह कर्तव्य होता है मानवीयता का। प्रस्तुत कविता का उद्देश्य मानव को उसी मानवीयता, सहयोग, सहायता आदि का बोध कराना है क्योंकि श्वास तो सभी प्राणियों में है, पर सच्चा प्राणी वही है जो इन गुणों का निर्वाह करें।

कविता का सारांश

जिस प्रकार जल प्यासे व्यक्ति के अधरों की तृष्णा को शांत करता है उसी प्रकार सच्चा प्राणी पीड़ितों की मदद करके उन्हें आराम पहुँचाता है। सच्चा प्राणी किसी विपत्ति के आने पर विचलित नहीं होता और न ही किसी के बहकावे में आता है। वह हमेशा सच बोलता है। दूसरों के हित के लिए सच्चा प्राणी अपने प्राण न्योछावर करने से भी नहीं चूकता। इस दुनिया में कोई इनसान छोटा या बड़ा नहीं है अपितु सब समान हैं। धरती पर जीवों की कमी नहीं है परंतु सच्चे इनसान कम ही मिलते हैं।

अध्यापन संकेत

कविता का सस्वर पाठ करें एवं बच्चों से करवाएँ। कविता में छिपे मानवतावादी दृष्टिकोण को उजागर करते चलें। परोपकार की महत्ता उदाहरण देकर समझाएँ। सच्चा मानव बनने के लिए जिन गुणों की आवश्यकता होती है, उनसे बच्चों को अवगत कराएँ। आपसी प्रेम तथा भाईचारा बढ़ाने के लिए भी बच्चों को प्रेरित करें। कविता की पंक्तियों का अर्थ स्पष्ट करें–

लहरों के .... प्राणी है।– इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि जिस प्रकार नदी के किनारे की ज़मीन पर काई जमी रहती है और बार-बार लहरों के शक्तिशाली थपेड़े खाते-खाते वह काई फटने लग जाती है, उसी प्रकार जो व्यक्ति उस काई की तरह नहीं होता अर्थात् जीवन के सुख-दुख के उतार-चढ़ाव से जो व्यक्ति न घबराए तथा शक्तिशाली के सम्मुख भी जो निडरता से खड़ा रहे, वही सच्चा प्राणी कहलाता है। जो व्यक्ति लालच में पड़कर अपनी ज़बान अर्थात् सच बोलने से तथा अपने कर्तव्यों को निभाने से न डिगे, वही सही अर्थों में सच्चा प्राणी होता है।

माथे को .... अच्छा है।– इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि मरना वही श्रेष्ठ कहलाता है, जिसे लोग वर्षों तक याद रखें। जिससे समाज में बदलाव आ सके। जो स्वयं को फूल की भाँति देश पर न्योछावर कर दे, ऐसी वीरगति ही श्रेष्ठ है। जो लाखों को प्रेरित कर जाए, ऐसी मृत्यु ही अच्छी कहलाती है।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- कहा जाता है कि किसी की भलाई के लिए बोला गया झूठ सौ सच के बराबर होता है? क्या तुम भी ऐसा ही मानते हो? परंतु यदि कोई व्यक्ति दूसरे की भलाई का दिखावा करके झूठ बोलना अपनी आदत ही बना ले तो, उसके बारे में तुम क्या कहोगे?

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।